भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं.**2031**जिसका उत्तर
शुक्रवार, 6 दिसंबर, 2024/15 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है

कुड्डालोर पत्तन तक कनेक्टिविटी

†2031. डॉ. एम. के. विष्णु प्रसाद :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा कुड्डालोर पत्तन तक सड़क और रेल संपर्क में सुधार लाने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं/ उठाए जाने हैं;
(ख) क्या उक्त पत्तन से गुजरने वाले कार्गो हेतु संभार-तंत्र दक्षता में वृद्धि करने और परिवहन लागत को कम करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) सरकार द्वारा उक्त पत्तन के माध्यम से व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देने हेतु क्या पहलें की गई हैं/ की जानी हैं;
(घ) क्या तमिलनाडु, विशेषकर कुड्डालोर, में राष्ट्रीय समुद्री विश्वविद्यालय अथवा केन्द्र सरकार समुद्री महाविद्यालय स्थापित करने की कोई योजना है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (ग): कुड्डालोर, तमिलनाडु राज्य में महापत्तनों के अलावा एक पत्तन है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा सागरमाला योजना के अंतर्गत कुड्डालोर पत्तन के विकास की परियोजना, जिसमें ब्रेकवाटर, बर्थ और ड्रेजिंग शामिल हैं, का आंशिक वित्तपोषण किया गया है।

तमिलनाडु सरकार द्वारा सूचित किया गया है कि कुड्डालोर पत्तन में वर्तमान मांग कम है तथा प्रचालनात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मौजूदा अवसंरचना पर्याप्त है। कार्गो हैंडलिंग प्रचालनों को बढ़ाने के उद्देश्य से तमिलनाडु सरकार कुड्डालोर पत्तन के विपणन, प्रचालन और रखरखाव के लिए निविदा प्रक्रिया के माध्यम से एक पत्तन प्रचालक का चयन करने की प्रक्रिया में हैं।

रेल मंत्रालय द्वारा सूचित किया गया है कि कुड्डालोर पत्तन और कुड्डालोर जंक्शन के बीच रेल संपर्कता हेतु अंतिम स्थान सर्वेक्षण (एफएलएस) अनुमोदित कर दिया गया है। तथापि, अंतिम विकास पत्तन के प्रचालनरत होने के उपरांत कार्गो की मात्रा पर निर्भर करता है। इसके साथ ही, पत्तन लॉजिस्टिक्स और दक्षता को बढ़ाने के लिए सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने कुड्डालोर पत्तन को एमओआरटीएच की पत्तन संपर्कता मास्टर योजना में शामिल किया है।

(घ) और (ङ): पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा पहले ही भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय (आईएमयू) को एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में तमिलनाडु में स्थापित किया है, जिसका मुख्यालय चेन्नै में है। चेन्नै स्थित आईएमयू परिसर कुड्डालोर पत्तन की आवश्यकताओं की पूर्ति भी करता है, जोकि इसी पूर्वी तट पर चेन्नै से लगभग 150 कि.मी. दूर है।

*****